**HOME WORK – 1 CLASS TEST -1 PRE MID TERM**

 **सूरदास (पद) F.M-16**

1. **निम्नलिखित काव्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (2X3=6)**
ऊधौ, तुम हो अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्य जल माहूँ तेल की गागरिं, बूंद न ताका लागी।
प्रीति-नदी में पाउँ न बोर्दी, दृष्टि न रूप परागी।
‘सूरदास’ अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पाग।
	1. गोपियों ने ‘बड़भागी’ कहकर उद्धव के व्यवहार पर कौन-सा व्यंग्य किया है?
	2. उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किससे की गई है?
	3. अंतिम पंक्तियों में गोपियों ने स्वयं को ‘अबला’ और ‘भोरी’ क्यों कहा है?
2. गोपियों का योग-साधना के प्रति दृष्टिकोण कैसा है? (2)
3. राजा का क्या धर्म होता है? (2)
4. कृष्ण जी ने उद्धव को योग का संदेश लेकर गोपियों के पास क्यों भेजा ? (2)
5. गोपियाँ उद्धव की बातों से क्यों निराश हो गई ? (2)
6. आपके द्वारा पठित सूरदास के पदों में किस रस की प्रधानता है? इसमें कौन-कौन प्रमुख पात्र हैं? (2)